

19/12/23 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी  
आरक्षित नहीं है। प्रार्थी / वादी  
का मूलनाम स्वार्थिन है पुका है।  
नाम है आशुब में प्रार्थना - पत्र वीआई  
के चलाये जाने का कोई डॉक्यूमेंट  
नहीं है। अला प्रार्थी का प्रार्थना -  
पत्र वीआई इसी स्तर पर आदमीकार  
कर स्वार्थिन किया जाता है। पत्रावली  
फैरल सुमार होकर पत्र से कम  
है। काखिल कथर है।

*(Handwritten signature)*

**सहायक कलक्टर  
लक्ष्मोट विभाग-दौसा (रा.)**

